राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्रों पर चारा बीज उत्पादन योजना की सफलता की कहानी (राष्ट्रीय कृषि विकास योजना)

उत्तर प्रदेश, पशुपालन विभाग के अधीनस्थ विभिन्न जनपदों में 10 राजकीय पशुधनएवं कृषि प्रक्षेत्र क्रमशः अराजीलाइंस–वाराणसी/आटा–जालौन/बाबूगढ़–हापुड़/भरारी–झांसी/चक गंजरिया–लखनऊ (बाराबंकी)/हस्तिनापुर–मेरठ/मंझरा–लखीमपुर–खीरी/निबलेट एवं कमियार–बाराबंकी/नीलगांव–सीतापुर/सैदपुर–ललितपुर स्थित है जिन पर उन्नतशील चारा बीजों का उत्पादन एवं उन्नतशील स्वदेशी प्रजातियों के गोवंशीय/महिषवंशीय पशुओं का संरक्षण एवं संवर्द्धन करके उन्नतशील स्वदेशी प्रजातियों के सांडों का उत्पादन करके विभाग के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को हरा चारा उत्पादन एवं प्राकृतिक गर्भाधान हेतु विभाग द्वारा निर्धारित मूल्य/अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता है।

प्रदेश में उन्नतशील चारा बीज की अत्यन्त कमी है तथा चारा बीज की कमी को दूर करने हेतु विभाग द्वारा प्रक्षेत्रों की कृषिकृत्य भूमि एंव संसाधनो को बढाया जाये जिससे प्रक्षेत्र पर उपलब्ध संसाधनो का अधिक से अधिक उपयोग किया जा सके। इसके लिये प्रदेश में चारा बीज उत्पादन की योजना का संचालन किया जाये ताकि प्रदेश के पशुपालनकों को अधिक से अधिक उन्नतशील चारा बीज उपलब्ध कराया जा सके जिससे हरा चारा उत्पादन कर पशुपालन अपने पशुओं की स्वास्थ्य एंव उत्पादकता में वृद्वि कर सके जिससें अन्तोगत्वा पशुपालक को लाभ मिल सके।

योजना प्रारम्भ होने से पूर्व उत्तर प्रदेश, पशुपालन विभाग के अधीनस्थ राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्रों पर वर्ष 2007–2008 में 924.91 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विभिन्न प्रजाति के उन्नतशील चारा बीज (ज्वार/लोबिया/जई एवं बरसीम) का उत्पादन कार्यक्रम कराया जाता था जिसके सापेक्ष कुल 3706.03 कुंतल ज्वार/लोबिया/जई एवं बरसीम चारा बीज का उत्पादन करके प्रक्षेत्र के उपयोग हेतु आरक्षित करते हुये शेष उन्नतशील चारा बीज 2206.04 कुंतल विभाग के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों को हरा चारा उत्पादन हेतु बढावा एंव प्रोत्साहन हेतु विभाग द्वारा निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता था।

चित्र–1 योजना पूर्व प्रक्षेत्र की भूमि की स्थिति

चित्र–1 योजना पूर्व प्रक्षेत्र की पशु शेड की स्थिति

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2008–2009 से 2016–17 तक प्रदेश के पशुधन कृषि प्रक्षेत्रों पर चारा बीज उत्पादन की योजना का संचालन किया गया।

वित्तीय वर्ष 2008–2009 से 2016–17 के मध्य विभिन्न वित्तीय वर्षो में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत उन्नतशील चारा बीज उत्पादन हेतु रूपया 1723.12 लाख की धनराशि प्राप्त हुयी जिससें प्रदेश के विभिन अंचलों में स्थित राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्रों पर उन्नतशील चारा बीजों का उत्पादन कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पादन करने हेतु कई वर्षो पूर्व से धनराशि के अभाव में प्रक्षेत्रों का काफी कृषि कृत्य क्षेत्रफल जुताई–बुवाई के अभाव में कम होता चला गया जिस पर भारी मात्रा में फूस, कास, पटेरा एवं जंगली खर–पतवार उगते रहे जिससे वह भूमि बंजर हो गयी। जो भूमि अकृषिकृत्य हो गयी थी, उसको कृषि योग्य बनाने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से धनराशि प्राप्त होने पर चरणबद्ध तरीके से धनराशि की उपलब्धता अनुसार भूमि का तुड़ान कराकर समतलीकरण, मेढ़बन्दी करायी गयी तथा सिंचाई की व्यवस्था हेतु बोरिन्ग आदि कार्य कराये गये जिससे कृषि कृत्य क्षेत्रफल में वृद्वि, सिचाई सुविधाओं का विस्तार एंव सुदृढीकरण तथा भारत सरकार से चारा फसलों का अभिजनक बीज अधिक मात्रा में प्राप्त कर उन्नतशील बीज उत्पादन के विभिन्न चरणों को पूर्ण करते हुये प्रक्षेत्र पर ही उन्नतशील प्रमाणित चारा बीज का उत्पादन कराया जाने लगा।

योजना लागू होने से पूर्व चारा बीज के अन्तर्गत 1271.76 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बुवाई का कार्य सम्पादित कराया जा रहा था। योजना लागू होने के उपरान्त वर्ष 2017–18 तक चारा बीज उत्पादन का क्षेत्रफल लगभग 1745.02 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। इस प्रकार

लोबिया चारा बीज फसल

जई चारा बीज फसल

ज्वार बीज फसल

जीर्णोधारित पशु शेड

चारा बीज उत्पादन के क्षेत्रफल 473.26 हेक्टेयर की बढ़ोत्तरी हुयी। वर्ष 2007–2008 में प्रक्षेत्रों पर उत्पादित चारा बीज 2206.04 कुंतल की आपूर्ति वर्ष 2008–09 में प्रदेश के पशुपालकों को हरा चारा उत्पादन हेतु विभाग के माध्यम से वितरित कराया गया जिसके सापेक्ष तत्समय प्रक्षेत्र पर उत्पादित चारा बीज से प्रदेश के पशुपालकों द्वारा लगभग 3509.82 हेक्टेयर क्षेत्रफल हरा चारा उत्पादन हेतु अच्छादित किया गया जिससें लगभग 12.27 लाख कुंतल हरा चारा उत्पादित हुआ। जिससें लगभग 20 किग्रा0 हरा चारा प्रति दिन प्रति पशु की दर से वर्ष भर 16800.00 पशु लाभान्वित होते थे।

ज्वार चारा की कटाई

ज्वार चारा की कुटटी

योजनान्तर्गत प्रक्षेत्रों द्वारा वर्ष प्रति वर्ष चारा एंव चारा बीजों के उत्पादन में वृद्वि की जाती रही। वित्तीय वर्ष 2018–19 में प्रदेश के पशुपालकों को 9858.10 कुंतल चारा बीज की आपूर्ति की गयी जिससें प्रदेश के पशुपालकों द्वारा हरा चारा उत्पादन हेतु लगभग 12216.00 हेक्टेयर क्षेत्रफल अच्छादित हुआ जिससें लगभग 45.86 लाख कुंतल हरा चारा उत्पादित किया गया जिससें लगभग 20 किग्रा0 हरा चारा प्रति दिन प्रति पशु की दर से वर्ष भर 62820.00 पशु लाभान्वित होते थे। इस प्रकार 10 वर्षो में हरा चारा उत्पादन में लगभग 4 गुना की वृद्वि हुयी। जिससे प्रदेश के पशुओं के स्वास्थ्य एंव उत्पादकता में वृद्वि हुयी जिसका प्रत्यक्ष एंव अप्रत्यक्ष रूप से लाभ प्रदेश के पशुपालकों को प्राप्त हुआ जिससें उनके आर्थिक जीवन में सुधार हुआ।